बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन

जुलाई 2021

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

विषय सूची पेज नं.

(A) अभियंताओं/वास्तुविदों/संवेदकों/राजमिस्त्रियों को भूकम्परोधी निर्माण तकनीक से संबंधित प्रशिक्षण 01–04

(B) मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम 05– 06

(C) कोविड–19 प्रोटोकॉल के अंतर्गत "जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा" जागरूकता कार्यक्रम 07–08

(D) जीविका के पदाधिकारियों एवं दीदियों का बाढ़, वज्रपात एवं कोविड–19 से बचाव विषय पर वेबिनार का आयोजन 09–10

(E) "आपात स्थिति में पशु प्रबंधन" विषय पर बिहार पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के पशुधन सहायकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण 11–12

(F) अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम 13–15

(G) कोविड संक्रमण से बचाव, बाढ़ पूर्व तयारी, वज्रपात से बचाव एवं सर्पदंश प्रबंधन पर जिलों में सामुदायिक वॉलेंटियर के साथ आनलाईन संवेदीकरण 16

(H) कृषि समन्वयकों के साप्ताहिक क्षमता संवर्धन कार्यक्रम में वज्रपात/ठनका से बचाव सबंधी उपाय पर प्रशिक्षण 17

(I) वज्रपात/ठनका की घटनाओं से अत्यधिक प्रभावित जिलों में बचाव संबंधी क्या करें क्या न करें विषय आधारित आपदा रथ, पम्प्लेट एव वाट्सएप्प ग्रुप के माध्यम से विडियो क्लिप का जन जागरुकता हेतु प्रसारित किया जाना 18–19

(J) ग्रामीण एवं राजस्व सेवा के अधिकारियों का प्रशिक्षण 20

(K) **Bihar State Disaster Resource Network** की **Review** मीटिंग 21

(L) **Mass Messaging** 22–23

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन (जुलाई, 2021)

(A) अभियंताओं/वास्तुविदों/संवेदकों/राजमिस्त्रियों का भूकम्परोधी निर्माण तकनीक से संबंधित प्रशिक्षण

दिनांक 31 जुलाई 2021 तक राज्य के सभी (38) जिलों के साथ साथ भूकम्पीय जोन V के 8 जिलों (किशनगंज, अररिया, सुपौल, मधेपुरा, सहरसा, दरभंगा, मधुबनी एवं सीतामढ़ी) में से दरभंगा एवं मधुबनी को छोड़ बाकी के 6 जिलों में भूकम्परोधी भवन निर्माण तकनीक पर अनुभवी राजमिस्त्रियों के सात दिवसीय प्रशिक्षण का दूसरे बैच का प्रशिक्षण सम्पादित किया गया है।

इस प्रकार दिनांक 31 जुलाई 2021 तक कुल 17,957 अनुभवी राजमिस्त्रियों को एवं 37 जिलों (समस्तीपुर को छोड़) में (मुख्यालय सहित) कुल 2633 असैनिक अभियंताओं को **भवनों के भूकम्परोधी निर्माण एवं रेट्रोफिटिंग तकनीक** विषय पर प्रशिक्षित किया जा चुका है।

1. दिनांक 24 से 30 जुलाई 2021 तक, भोजपुर जिला के सभी (14) प्रखंडों में दूसरे बैच में कुल **413** राजमिस्त्रियों को भूकम्परोधी भवन के विषय पर सात दिवसीय प्रशिक्षण के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया।

2. दिनांक 15 एवं 16 जुलाई 2021 को राजमिस्त्रियों के अगामी प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षकों/भावी प्रशिक्षकों के कुल 13 अभियंताओं का एक दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स प्राधिकरण के सभा कक्ष में सम्पादित किया गया।

3. दिनांक 19 एवं 20 जुलाई 2021 को राजमिस्त्रियों के अगामी प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षकों/भावी प्रशिक्षकों के कुल **14** राजमिस्त्रियों का एक दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स प्राधिकरण के सभा कक्ष में सम्पादित किया गया।

4. भोजपुर जिला के सभी 14 प्रखंडों में दूसरे बैच में, दिनांक 24 से 30 जुलाई 2021 को होने वाले राजमिस्त्रियों के सात दिवसीय प्रशिक्षण के संदर्भ में दिनांक 22 जुलाई 2021 को कुल 16 अभियंता प्रशिक्षकों का एक दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स प्राधिकरण के सभा कक्ष में सम्पादित किया गया।

5. दिनांक 28 एवं 29 जुलाई 2021 को राजमिस्त्रियों के अगामी प्रशिक्षणों के लिए प्रशिक्षकों/भावी प्रशिक्षकों के कुल 15 अभियंताओं का एक दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स प्राधिकरण के सभा कक्ष में सम्पादित किया गया।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

जुलाई 2021 में संचालित कार्यक्रमों का विवरण

अभियंताओं/राजमिस्त्रियों का प्रशिक्षण/रिफ्रेशर कोर्स			
क्र.सं.	**कार्यक्रम का नाम**	**प्रशिक्षण तिथि/स्थान**	**प्रशिक्षित प्रतिभागियों की संख्या**
1	राजमिस्त्रियों का सात दिवसीय प्रशिक्षण	24 से 30 जुलाई/भोजपुर	413 राजमिस्त्रियों
2	रिफ्रेशर कोर्स	15 एवं 16 जुलाई को BSDMA, पटना में।	13 अभियंताओं
3	रिफ्रेशर कोर्स	19 एवं 20 जुलाई को BSDMA, पटना में।	12 राजमिस्त्रियों
4	रिफ्रेशर कोर्स	22 जुलाई को BSDMA, पटना में।	16 अभियंताओं
5	रिफ्रेशर कोर्स	28 एवं 29 जुलाई को BSDMA, पटना में।	13 अभियंताओं

भोजपुर जिला में दूसरे बैच में राजमिस्त्रियों का सात दिवसीय प्रशिक्षण।			
क्र. सं.	**ब्लॉक का नाम**	**प्रशिक्षण तिथि**	**प्रशिक्षित राजमिस्त्रियों की संख्या**
1	शाहपुर	24 से 30 जुलाई 2021	27
2	बिहियॉ		30
3	जगदीशपुर		30
4	तरारी		30
5	सहार		29
6	पीरो		30
7	चरपोखरी		30
8	गड़हनी		29
9	अगिऑव		30
10	संदेश		30
11	उदवंत नगर		28
12	आरा		30
13	कोईलवर		30
14	बड़हरा		30
		कुल	**413**

जुलाई 2021 में (लॉकडाउन के दौरान) जिलों में प्रशिक्षित राजमिस्त्रियों के लिए Goto Meeting App के माध्यम से शाम 7:00 बजे से 8:30 बजे तक रिफ्रेशर कोर्स का कार्यक्रम चलाया गया। यह इस प्रकार है:–

Sr.	Date	District	Resource Person	No. of Participants
1	07 July	Gaya	Baidyanath Paswan	**54**
2	10 July	Nawada	Mritunjay Kumar	**21**
3	13 July	Jamui	Tuntun Kumar	**49**
4	17 July	Sheikhpura & Lakhisarai	Ujay Kumar	**69**
5	20 July	Banka	Ajay Kumar	**50**
6	24 July	Bhagalpur	Bechan Kumar	**79**
7	27 July	Munger	Rajeev Mandal	**42**
8	30 July	Katihar	Vijay Shankar Patel	**80**

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(B) मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

Covid–19 वैश्विक महामारी के कारण राज्य के सभी विद्यालय बंद हैं इसके कारण स्कूलों में सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम भी नहीं चल रहा है। इस वैश्विक महामारी को ध्यान में रखते हुए राज्य के सभी सरकारी/गैर–सरकारी/मदरसा बोर्ड/संस्कृत शिक्षा बोर्ड तथा अन्य विभागों के द्वारा चलाए जा रहे विद्यालयों के एक–एक फोकल शिक्षकों का ऑनलाइन वेबिनार के माध्यम से प्रशिक्षण प्रारम्भ किया गया है। फोकल शिक्षकों के तीन दिनों के पूर्व निर्धारित प्रशिक्षण कार्यक्रम को ऑनलाइन 13 सत्रों में विभाजित कर प्रत्येक फोकल शिक्षकों को 13 प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जुलाई 2021 में सीवान और गोपालगंज जिले के में फोकल शिक्षकों के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सत्रानुसार शामिल हुए प्रतिभागियों की संख्या इस प्रकार है:–

जिला	सत्र सं.	दिनांक	विषय	प्रतिभागियों की संख्या
सिवान विद्यालयों की कुल संख्या – 2851	3	01.07.2021	भूकंप से बचाव के संबंध में जानकारी	1975
	4	01.07.2021	बाढ़ से बचाव के संबंध में जानकारी	1917
	5	02.07.2021	वज्रपात, ठनका, चक्रवाती तूफान से बचाव के संबंध में जानकारी	1832
	6	02.07.2021	अगलगी, लू एवं शीतलहर से बचाव के संबंध में जानकारी	1831
	7	05.07.2021	सड़क दुर्घटना, रेल दुर्घटना, नाव दुर्घटना तथा डूबने से बचाव के संबंध में जानकारी	1650
	8	05.07.2021	प्राथमिक उपचार के बारे में जानकारी	1553
	9	06.07.2021	भगदड़, विद्युत घात तथा सर्प दंश से बचाव के संबंध में जानकारी	1672
	10	06.07.2021	स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं (डायरिया, निमोनिया, AES/JE, Covid) से बचाव के संबंध में जानकारी	1635
	11	07.07.2021	स्वच्छता, साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल एवं उससे संबंधित जानकारी	1575
	12	07.07.2021	पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन, तथा जल, जीवन एवं हरियाली के संबंध में जानकारी	1572
	13	08.07.2021	सामाजिक समस्याओं (बाल अधिकार, बाल विवाह, बाल शोषण एवं छेड़-छाड़) के संबंध में जानकारी	1550

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

जिला	सत्र सं.	दिनांक	विषय	प्रतिभागियों की संख्या
गोपालगंज विद्यालयों की कुल संख्या – 2176	1	12.07.2021	मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम एक परिचय	1481
	2	12.07.2021	मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम एक रूपरेखा	1381
	3	13.07.2021	भूकंप से बचाव के संबंध में जानकारी	1547
	4	13.07.2021	बाढ़ से बचाव के संबंध में जानकारी	1390
	5	14.07.2021	वज्रपात, ठनका, चक्रवाती तूफान से बचाव के संबंध में जानकारी	1526
	6	14.07.2021	अगलगी, लू एवं शीतलहर से बचाव के संबंध में जानकारी	1337
	7	15.07.2021	सड़क दुर्घटना, रेल दुर्घटना, नाव दुर्घटना तथा डूबने से बचाव के संबंध में जानकारी	1463
	8	15.07.2021	प्राथमिक उपचार के बारे में जानकारी	1304
	9	16.07.2021	भगदड़, विद्युत घात तथा सर्प दंश से बचाव के संबंध में जानकारी	1374
	10	16.07.2021	स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं (डायरिया, निमोनिया, AES/JE, Covid) से बचाव के संबंध में जानकारी	1228
	11	19.07.2021	स्वच्छता, साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल एवं उससे संबंधित जानकारी	1316
	12	19.07.2021	पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन, तथा जल, जीवन एवं हरियाली के संबंध में जानकारी	1137
	13	20.07.2021	सामाजिक समस्याओं (बाल अधिकार, बाल विवाह, बाल शोषण एवं छेड़-छाड़) के संबंध में जानकारी	1306

कोरोना वायरस संक्रमण एवं लॉकडाउन के कारण शिक्षा विभाग/बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के द्वारा कक्षा 6 से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए दूरदर्शन बिहार चैनल पर "मेरा दूरदर्शन मेरा विद्यालय" कार्यक्रम के द्वारा बच्चों की कक्षाएं संचालित की जा रही इस कार्यक्रम के तहत "मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम–सुरक्षित शनिवार" को मई 2020 से फरवरी 2021 तक प्रत्येक शनिवार को प्रसारित किया गया। यह कार्यक्रम पुनः 29 मई से दूरदर्शन बिहार पर प्रसारित किया जा रहा है।

विदित हो कि "मेरा दूरदर्शन मेरा विद्यालय" के अंतर्गत प्रसारित होने वाले इस सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम में ना केवल विभिन्न आपदाओं से बचाव के बारे में सैद्धांतिक जानकारी दी जा रही है, बल्कि राज्य आपदा मोचन बल (SDRF) और अन्य के सहयोग से विभिन्न आपदाओं के बारे में व्यावहारिक जानकारी भी मॉकड्रिल तथा प्रदर्शन (demonstration) के माध्यम से दी जा रही है। इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चे जो कुछ भी सीखेंगे वह सभी के काम आने वाली जानकारी होगी। अतः बच्चों से इस कार्यक्रम के माध्यम से यह अपेक्षा की जा रही है कि वे उन जानकारियों को अपने परिवार में सभी के साथ चर्चा करेंगे और जानकारियां साझा करेंगे। इससे बच्चों का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। सत्र के अंत में बच्चों से कुछ सवाल भी पूछे जाते हैं तथा गृहकार्य भी दिया जाते हैं। इस प्रकार हम सब मिलकर अपने राज्य बिहार को आपदाओं से सुरक्षित राज्य बनाने में मदद कर पाएंगे।

(C) कोविड–19 प्रोटोकॉल के अंतर्गत "जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा" जागरूकता कार्यक्रम

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा विभिन्न हितभागियों के साथ मिलकर सड़क सुरक्षा के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम 30 नवम्बर 2019 से प्रारंभ किया गया है। कोविड–19 के कारण इस कार्यक्रम को मार्च 2020 एवं अप्रैल 2021 में स्थगित करना पड़ा। सारण, वैशाली, भोजपुर, पटना एवं जहानाबाद जिले के नेशलन हाइवे –19 पर अवस्थित 32 विद्यालयों/महाविद्यालयों में यह कार्यक्रम आयोजित किया हुए। इन विद्यालयों/महाविद्यालयों के लगभग 3600 छात्र/छात्राओं एवं शिक्षक/शिक्षिकाओं की इस कार्यक्रम में भागीदारी हुई।

इस कार्यक्रम में परिवहन विभाग, AIIMS पटना एवं निर्माण कला मंच/प्रहरी के साथ–साथ अन्य संगठनों के सहयोग से इस कार्यक्रम को विभिन्न जिलों से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग एवं जिले के अन्य प्रमुख शहरों के किनारे एवं आस–पास के अवस्थित उच्च एवं माध्यमिक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में आयोजित किया जाता है।

उक्त कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं प्रचार–प्रसार हेतु सड़क दुर्घटनाओं संबंधी विडियो क्लिप्स (क्या करें, क्या नही करें) का प्रदर्शन, सड़क दुर्घटना में प्रभावित हुये छात्र/छात्राओं द्वारा अनुभव साझा करना, नुक्कड़ नाटक, अस्पताल पूर्व चिकित्सा विषय पर प्रशिक्षण, सड़क सुरक्षा हेतु शपथ, प्रचार–प्रसार सामग्रियों का वितरण आदि गतिविधियों का सम्पादन किया जाता है। इस संबंध में माड्यूल एवं प्रशिक्षण सामग्री विकसित की गयी है।

कोविड–19 प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम को पुनः जुलाई 2021 में प्रारंभ किया गया। जुलाई माह 2021 में गया, मुजफ्फरपुर एवं दरभंगा जिले के अन्तर्गत

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

अवस्थित निम्नलिखित विद्यालयों/संस्थानों में आयोजित इन कार्यक्रम में 250 छात्र/छात्राओं एवं शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन निम्नलिखित स्कूलों में सम्पन्न हुआः–

क्र0सं0	दिनांक	विद्यालय का नाम
1	16 जुलाई, 2021	10+2 Zila School, Near D.M. Office, G.B.Road, Gaya
		D.A.V.Public School, College Road, Rotary Campus(Medical Unit), Gaya
2.	23 जुलाई, 2021	रामेश्वर महाविद्यालय, मुजफ्फरपुर
		लंगट सिंह कॉलेज, मुजफ्फरपुर
3.	29 जुलाई, 2021	एम0 एल0 एस0 एम0 कॉलेज, दरभंगा
		सी0 एम0 साइंस कॉलेज, दरभंगा

लगभग 350 छात्र/छात्राओं एवं शिक्षक/शिक्षिकाओं ने भाग लिया।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(D) जीविका के पदाधिकारियों एवं दीदियों का बाढ़, वज्रपात एवं कोविड–19 से बचाव विषय पर वेबिनार का आयोजन

प्राधिकरण द्वारा जिलावार "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषयक प्रशिक्षण में अन्तर्गत जीविका के पदाधिकारियों एवं दीदियों को बाढ़, वज्रपात एवं कोविड–19 प्रबंधन विषय पर वेबिनार के माध्यम से संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया संवेदीकरण कार्यक्रम में राज्य, जिला एवं प्रखंड परियोजना प्रबंधक, एरिया कॉर्डिनेटर, प्रशिक्षण पदाधिकारी एवं जीविका दीदियों की भागीदारी हुई। इस कार्यक्रम में कोविड महामारी से बचाव एवं घर पर आइसोलेशन के दौरान की सावधानियां बाढ़ एवं वज्रपात प्रबंधनः बचाव एवं तैयारी के बारे में विषय विशेषज्ञों के द्वारा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जानकारी दी गई। साथ ही कार्यक्रम के कोविड से संबंधित प्रश्नोत्तर सत्र में एम्स, पटना के डॉक्टर के द्वारा प्रतिभागियों को कोविड संक्रमण व टीकाकरण, आदि के संबंध में पूछे गये सवालों का जबाव दिया गया। वेबिनार कार्यक्रम के 12 बैचों में 1077 प्रतिभागियों ने भाग लिया। अबतक कुल 1200 से अधिक प्रतिभागियों को संवेदीकरण किया गया, जो इस प्रकार हैः–

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

क्र0सं0	दिनांक	प्रतिभागी जिला	प्रतिभागियों की संख्या
1	01.07.2021	पश्चिमी चंपारण	117
2	02.07.2021	सारण	70
3	06.07.2021	गोपालगंज	157
4	07.07.2021	लखीसराय	125
5	08.07.2021	मुंगेर	84
6	09.07.2021	गया	115
7	13.07.2021	सिवान एवं अरवल	98
8	14.07.2021	जहानाबाद	40
9	15.07.2021	कैमूर एवं बक्सर	63
10	22.07.2021	नवादा एवं शेखपुरा	64
11	27.07.2021	नालंदा एवं जमूई	60
12	29.07.2021	बांका एवं रोहतास	84
		कुल प्रतिभागियों की संख्या	1077

(E) "आपात स्थिति में पशु प्रबंधन" विषय पर बिहार पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के पशुधन सहायकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण

बिहार एक बहु–आपदा प्रवण राज्य है, जहां सभी तरह की प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाएं घटित होती है। यहां लोगों से लगभग हर वर्ष बाढ़ के प्रकोप को झेलता है वहीं दूसरी ओर सुखाड़, अग्निकांड, शीतलहर, लू आदि आपदओं का सामना करना पड़ता है। इन आपदाओं से मानव ही नहीं बल्कि पशु भी प्रभावित होते हैं और आपदाओं की स्थिति में मानव के साथ–साथ पशुधन की भी बड़े पैमाने पर क्षति होती है। यद्यपि की आपदाओं को घटित होने से रोका तो नही जा सकता है, किन्तु इनसे होने वाली क्षति को कम करने के लिए पशुधन सहायकों का कौशल विकास कर तथा आपदाओं के खतरों की पहचान कर पशुधन की सुरक्षा की जा सकता है।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, एवं बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 13.08.2019 को बिहार पशु चिकित्सा महाविद्यालय के सभागार में राज्य पशु आपदा प्रबंधन योजना के प्रारूप पर चर्चा कर उसे अंतिम रुप देने हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के सचिव के द्वारा अनुरोध किया गया कि "आपात स्थिति में पशु

प्रबंधन'' विषय पर पशु चिकित्सकों के तर्ज पर पशुधन सहायकों को प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।

''आपात स्थिति में पशु प्रबंधन'' विषय पर पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार सरकार के पशुधन सहायकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग एवं बिहार भेटनरी कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 15 फरवरी, 2021 से आरम्भ किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य है कि बहुआपदाओं की स्थिति में आपदा के पहले, आपदा के दौरान एवं आपदा के बाद में किस तरह से पशुओं की सुरक्षा एवं प्रबंधन किया जाय। जुलाई, 2021 तक 17–19 जुलाई तक आयोजित प्रशिक्षण 29 पशुधन सहायकों को प्रशिक्षित किया गया इस प्रकार अब तक 146 पशुधन सहायकों प्रशिक्षित किया जा चुका है। जो इस प्रकार हैः–

बैच संख्या	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या
1	15–17 फरबरी, 2021	30
2	18–20 फरबरी, 2021	27
3	05–07 अप्रैल, 2021	30
4	14–16 जुलाई, 2021	30
5	17–19 जुलाई, 2021	29
	कुल	**146**

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(F) अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम

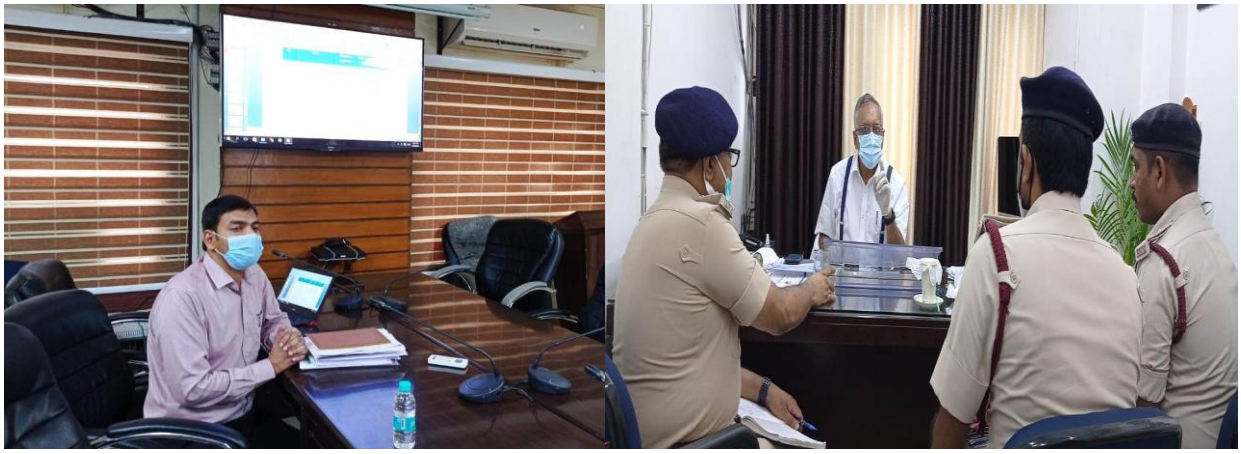

'अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत '16 बिंदु अग्नि प्रवणता सूचकांक' के आधार पर जुलाई माह में राज्य के कुल 721 अस्पतालों का निरीक्षण किया गया जिसमें 143 सरकारी एवं 578 निजी अस्पताल शामिल हैं। इन अस्पतालों का निरीक्षण प्राधिकरण के दिशा निर्देश में अग्निशाम सेवाएं के अधिकारियों द्वारा किया गया। इस दौरान अस्पताल प्रशासन का ध्यान आग लगने की संभावना बढ़ाने वाले कारणों की ओर आकृष्ट किया गया एवं उन्हें 'सूचकांक' आधारित उपायों को करने का निर्देश दिया गया।

दिनांक 16/07/2021 को मा0 सदस्य डॉ0 उदयकांत मिश्र ने पटना जिला समादेष्टा एवं अग्निशाम सेवाएं के अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें नवनिर्मित पाटलिपुत्रा बस स्टैंड का '16 बिंदु अग्नि प्रवणता सूचकांक' के प्रवाधानों के आधार पर जाँच के साथ–साथ निम्न उपायों को सुनिश्चित कराने की जरूरत पर बल दिया।

1. डिजल डम्प तक जाने और वहाँ से आने के लिए अलग से रास्ते का प्रबंध किया जाए।
2. बसों के शेड्स पर आगे से एक एग्जॉस्ट लगाया जाए।
3. बसों के रात में रुकने की जगह पर कार्बन मोनोक्साईड एवं कार्बन डायआक्साईड का स्तर मापने के लिए स्वचालित यंत्र लगाये जाएँ जो निर्धारित स्तर से अधिक प्रदूषण बढ़ने पर अपने आप चल पड़े।
4. बसों के रात में रूकने की जगह पर स्प्रिंकलर लगाया जाना।
5. क्रिटिकल जगहों को वाटर कर्टेन के द्वारा सुरक्षित करना।
6. भविष्य में इलेकट्रिक बसों के परिचालन में बढ़ोतरी की संभावना को देखते हुए सभी संभावित चार्जिग प्वाइंट में अग्निशमन यंत्रों को अधिष्ठापित करना।
7. सभी क्रिटिकल जगहों पर CCTV कैमरों का लगा होना ताकि इन जगहों, खास तौर पर जहाँ बसों और लोगों का समागम हो रहा हो, के चारो तरफ से निगरानी हो सके।

8. बसों के शेड तथा मुख्य भवन के लिए अलग–अलग कंट्रोल रूम बनाये जायें।

दिनांक 28/07/2021 को महानिदेशक–सह–महासमादेष्टा एवं सहायक राज्य अग्निशमन पदाधिकारी, अग्निशाम सेवा के साथ हुई बैठक में राज्य सहायक अग्निशमन पदाधिकारी द्वारा 'बिहार अग्निशाम सेवा नियमावली 2021' पर विस्तार से प्रस्तुतिकरण किया गया। उक्त बैठक में माननीय सदस्य द्वारा निम्नलिखित महत्वपूर्ण बातों पर जोर दिया गया।

1. अग्नि सुरक्षा के उपायों में फायर इंजीनियरिंग की अवधारणा को प्रमुखता देना एवं इससे संबंधित उपायों को करना जिससे आग को लगने से रोका जा सके।
2. अग्निशाम सेवा में नव–नियुक्त अधिकारियों, कर्मचारियों की फायर इंजिनियरिंग व अग्निशमन पर क्षमतावर्द्धन करना, जिसमें हैन्डस ऑन के साथ–साथ तकनीकी एवं सैद्धांतिक पहलू पर ट्रेनिंग दी जा सकती है।
3. इंजीनियरिंग कॉलेजों के पाठ्यक्रम में फायर इंजीनियरिंग विषय को शामिल करने की आवश्यकता है। भागलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज इस दिशा में प्रयासरत है। प्राधिकरण के द्वारा इस विषय पर पाठ्य विवरण तैयार किया गया है।
4. फायर सेफटी कंसल्टेंट के द्वारा NBC 2016 (4) में दर्शाये गए प्रावधानों एवं उपायों को समझ कर अपने राज्य में लागू कराने में विभाग को सहयोग करना।
5. भाविष्य में इलेक्ट्रिक, CNG आदि गाड़ियों के परिचालन को ध्यान में रखकर हितधारकों की क्षमतावर्द्धन करना एवं इससे संबंधित अग्निशमन एवं फायर इंजीनियरिंग के उपायों को अभी से करने की आवश्यकता है।
6. औद्योगिक जगहों एवं बस स्टैंड के आस–पास फायर स्टेशन बनाने से इसकी उपयोगिता बढ़ सकती है।
7. अग्निशाम सेवा बल के लिए बैरक के स्थान पर रूम/घर की सुविधा देना ज्यादा उचित होगा।
8. स्थानीय लोगों में अग्नि सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता लाना व उनका क्षमतावर्द्धन करना अग्नि रोकथाम के उद्देश्य के तहत महत्वपूर्ण है।
9. नदियों के किनारे बसावट के लिए वोट फायर स्टेशन बनाने से इसकी उपयोगिता सहज, सुलभ व प्रभावी होगा।
10. Short-term, mid-term and long-term goal निर्धारित करके उन्हें समयबद्ध तरीके से achieve करना।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

जुलाई माह 2021 में अस्पतालों/नर्सिंग होमस् के भवनों का फायर ऑडिट का आंकडा

क्र०सं०	जिला का नाम	कोविड अस्पताल			नन कोविड अस्पताल		
		सरकारी	निजी अस्पताल	कुल	सरकारी	नि.की अस्पताल	कुल
1	पटना	3	60	63	3	17	20
2	नालंदा	0	0	0	3	15	18
3	रोहतास	3	2	5	15	49	64
4	भभुआ	2	3	5	23	50	73
5	भोजपुर	0	0	0	0	5	5
6	बक्सर	0	0	0	0	0	0
7	गया	0	0	0	0	17	17
8	जहानाबाद	0	0	0	0	5	5
9	अरवल	0	0	0	0	0	0
10	नवादा	1	0	1	0	18	18
11	औरंगाबाद	0	0	0	0	2	2
12	छपरा	0	0	0	0	0	0
13	सिवान	0	0	0	17	30	47
14	गोपालगंज	1	3	4	10	61	71
15	मुजफ्फरपुर	1	0	1	3	6	9
16	सीतामढ़ी	1	0	1	1	47	48
17	शिवहर	2	0	2	5	3	8
18	बेतिया	0	0	0	0	10	10
19	बगहा	0	0	0	0	2	2
20	मोतिहारी	0	0	0	11	7	18
21	वैशाली	0	0	0	0	62	62
22	दरभंगा	0	0	0	0	6	6
23	मधुबनी	0	0	0	0	0	0
24	समस्तीपुर	0	0	0	1	16	17
25	सहरसा	0	0	0	0	0	0
26	सुपौल	2	13	15	2	0	2
27	मधेपुरा	7	0	7	0	11	11
28	पूर्णिया	0	0	0	0	1	1
29	अररिया	0	0	0	0	0	0
30	किशनगंज	0	0	0	0	0	0
31	कटिहार	1	0	1	2	6	8
32	भागलपुर	2	7	9	8	10	18
33	नवगछिया	5	0	5	1	6	7
34	बाँका	0	0	0	0	0	0
35	मुंगेर	2	2	4	3	14	17
36	लखीसराय	0	0	0	0	2	2
37	शेखपुरा	0	0	0	2	9	11
38	जमुई	0	0	0	0	0	0
39	खगड़िया	0	0	0	0	0	0
40	बेगुसराय	0	0	0	0	1	1
	कुल योग	33	90	123	110	488	598

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(G) कोविड सक्रमण से बचाव, बाढ़ पूर्व तयारी, वज्रपात से बचाव एवं सर्पदंश प्रबंधन पर जिलों में सामुदायिक वालंटियर के साथ आनलाईन संवेदीकरण

वर्तमान में बिहार राज्य में कोविड संक्रमण के साथ–साथ मानसून का आगमन हो चुका है। राज्य में मानसून आने के पहले सप्ताह से ही कई जिलों में भारी वर्षा की चेतावनी भी दिया जा चुका है। इससे बाढ़ की संभावना बन गयी है। इन आपदाओं के साथ मानसून अवधि के दौरान वज्रपात की घटनाएं, डूबने की घटनाएं एवं सर्प दंश की घटनाओं की दृष्टिगत जून माह में विभिन्न जिलों के पंचायतों में चिन्हित सामुदायिक वॉलेंटियर का दिनाक 8/06/2021 से प्रारम्भ अभिमुखिकरण कार्यक्रम में कुल 6 जिलों के 1182 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया था इसी क्रम में माह जुलाई में कुल 4 जिलो (अररिया, गया, बांका एवं नवादा) के कुल 622 सामुदायिक वॉलेंटियर ने अभिमुखिकरण कार्यक्रम में भाग लिया जिसके अंतर्गत कोविड महामारी के संक्रमण से बचाव संबंधी क्या करें क्या न करें एवं क्या सावधानियां बरतनी है, बाढ़ पूर्व तैयारी, वज्रपात एवं डुबने से होने वाली घटनाओं से बचने के उपाय संबंधित विषयों पर विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुति एवं विचार विमर्श किया गया। कार्यक्रम की विवरणी निम्नवत् हैः–

क्रमांक	दिनांक	जिला	सम्मिलित प्रखण्ड	प्रतिभागियो की संख्या
1	02-07-2021	अररिया	अररिया, जोकिहाट, कुरसाकांटा, रानीगंज, सिकटी	68
2	05-07-2021	अररिया	पलासी, फारबिसगंज, नरपतगंज, भरगामा	52
3	07-07-2021	गया	गया, सदर, बेलागंज, वजीरगंज, मानपुर, बोधगया, टनकुप्पा, फतेहपुर, कोंच, टेकारी, डोभी, मोहनपुर,	173
4	09-07-2021	गया	गुरारू, परैया, खिजरसराय, अतरी, बथानी, मोहडा, गुरूआ, आमस, बांकेबाजार, ईमामगंज, डुमरिया, शेरघाटी, बाराचट्टी	166
5	12-07-2021	बांका	बांका, बाराहाट, बेलहर, बौंसी, चान्दन, धोरैया, फुल्लीडूमर, कटोरिया, रजौन, शम्भूगंज	98
6	14-07-2021	नवादा	अकबरपुर, गोविंदपुर, मेसकौर, नरहट, रजौली, रोह, सिरदला, काशीचक, कौआकोल, नारदीगंज, नवादा, पकरीबरावां, हिसुआ	65
			कुल	**622**

(H) कृषि समन्वयकों के साप्ताहिक क्षमता संवर्धन कार्यक्रम में वज्रपात/ ठनका से बचाव सबंधी उपाय पर प्रशिक्षण

माह मार्च व अप्रैल में कृषि विभाग द्वारा आयोजित बामेती परिसर में कृषि समन्वयको के 13वे, 14वे एव 15वें बैच के साप्ताहिक क्षमता संवर्धन कार्यक्रम में वज्रपात/ ठनका से बचाव सबंधी उपाय पर कुल 135 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया था इसी क्रम में माह जुलाई से पुनः प्रारम्भ 16वें, 17वें, 18वें एव 19वें बैच के साप्ताहिक क्षमता संवर्धन कार्यक्रम में वज्रपात/ ठनका से बचाव सबंधी उपाय पर कुल 180 कृषि समन्वयकों को प्रशिक्षित किया गया।

बैच	प्रशिक्षण तिथि	प्रतिभागियों की संख्या
16वां बैच	11/07/2021	45
17वां बैच	15/07/2021	45
18वां बैच	22/07/2021	45
19वां बैच	29/07/2021	45
		180+135=315

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(I) वज्रपात/ठनका की घटनाओं से अत्यधिक प्रभावित जिलों में बचाव संबंधी क्या करें क्या न करें विषय आधारित आपदा रथ, पम्प्लेट एवं वाट्सएप्प ग्रुप के माध्यम से विडियो क्लिप का जन जागरुकता हेतु प्रसारित किया जाना

पिछले कुछ वर्षों में वज्रपात/ठनका की घटनाओं के संबंध में आकलन के आधार पर अध्ययन प्रतिवेदन तैयार किया गया था। जिसमें प्रमुख बिन्दु जैसे अधिकतर घटनाएं ग्रामीण क्षेत्रों में घटित हुई। इसकी समयावधी अपराह्न 12:00 बजे से सायं 06:00 बजे तक थी। इन घटनाओं में कृषि संबंधी गतिविधियों से जुड़े कृषक/खेतिहर मजदूर ज्यादा प्रभावित हुए। वज्रपात/ठनका की घटनाओं से होने वाले मृत्यु को कम से कम करने हेतु व्यापक जनजागरूकता संबंधी एवं बचाव के उपायों एवं क्या करें क्या न करें विषय आधारित कुल 13500 पम्पलेट प्राधिकरण द्वारा वज्रपात/ठनका से प्रभावित अतिप्रवण जिलों में वितरित किया गया। यह इस प्रकार है:–

क्र0 स0	जिला	कुल पम्पलेट की संख्या	कुल प्रभावित प्रखंड
1	जमुई	1500 प्रति	सोनो
			लक्ष्मीपुर
			खैरा
			चकाई
			सिकन्दरा
			जमुई सदर
2	सारण	1000 प्रति	पानापुर
			तरैया
3	बांका	1500 प्रति	बांका सदर
			रजौन
			बाराहाट
			कटोरिया
			बौंसी
			धोरैया

क्र0 स0	जिला	कुल पम्पलेट की संख्या	कुल प्रभावित प्रखंड
6	पूर्णिया	1000 प्रति	पुर्णिया पूर्वी
			धमदाहा
			बनमनखी
7	रोहतास	1000 प्रति	करगहर
			कोचस
			नौखा
			नौहट्टा
			सासाराम
8	नालंदा	1000 प्रति	रहुई
			बिहार शरीफ
			अस्थावां
9	पटना	1000 प्रति	दुलहिन बाजार
			मोकामा
			बख्तियारपुर

			बेलहर
			शम्भुगंज
			अमरपुर
4	गया	1500 प्रति	बाराचट्टी
			बेलागंज
			बोध गया
			डुमरिया
			फतेहपुर
			गुरूआ
			कोंच
			वजीरगंज
			टेकारी
			मोहनपुर
			इमामगंज
5	नवादा	1000 प्रति	कौवाकोल
			नवादा सदर
			वारसलीगंज

			पंडारक
10	औरंगाबाद	1000 प्रति	ओबरा
			नबीनगर
			सदर
			रफीगंज
			हसपुरा
			गोह
			देव
11	भोजपुर	1000 प्रति	तरारी
			जगदीशपुर
			बड़हरा
12	पूर्वी चम्पारण	1000 प्रति	चकिया
			बंजरिया
			कोटवां
			आदापुर
		कुल पम्पलेट की संख्या	**13500**

वज्रपात/ठनका से बचाव सबंधी जन जागरुकता के व्यापक प्रचार व प्रसार हेतु औरंगाबाद जिले में आपदा रथ का शुभारम्भ जिला पदाधिकारी द्वारा किया गया। सभी पंचायतो में ठनका से बचाव सबंधी क्या करें, क्या न करें उपायों का प्रचार व प्रसार किया गया। कृषि विभाग, बामेती, जीविका एव पंचायती राज से जूडें पदाधिकारियों व कर्मियों के साथ समन्वय करते हुये संबंधित विभागों में विभिन्न सोशल साईट्स/वाट्सएप्प ग्रुप के माध्यम से प्राधिकरण द्वारा तैयार किये गये विडियो क्लिप एवं आई.ई.सी सामाग्री को प्रदर्शित एवं प्रसारित किया गया।

(J) ग्रामीण एवं राजस्व सेवा के अधिकारियों का प्रशिक्षण

ग्रामीण विकास पदाधिकारियों एवं राजस्व पदाधिकारियों की आपदा प्रबंधन में प्रखंड एवं अंचल स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका होने के कारण यह समीचीन है कि उन्हें आपदा प्रबंधन अधिनियम, नीति, राज्य योजना, जिला योजना एवं बिहार आपदा जोखिम न्यूनीकरण रोड मैप आदि का पूर्ण ज्ञान हो। साथ ही, उनको आपदा रिस्पांस के लिये निर्धारित प्रशासनिक संरचनाओं तथा विशेषज्ञ बलों (NDRF/SDRF) के कार्यों की जानकारी भी हो। विशेष कर विभिन्न आपदाओं के लिए गठित मानक संचालन प्रक्रियाओं, मार्गदर्शिकाओं तथा प्रखंड/अंचल स्तर पर इनके इस्तेमाल के संबंध में उनका अवगत होना भी अत्यावश्यक है।

उपरोक्त परिप्रेक्ष्य में प्राधिकरण द्वारा माननीय मुख्यमंत्री जी के आदेशानुसार बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के द्वारा ग्रामीण विकास सेवा एवं राजस्व सेवा के अधिकारियों को आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन विषय पर तीन दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया गया है।

इसी क्रम में 28.07.2021 से 30.07.2021 मार्च 2021 तक ए0 एन0 सिन्हा सामाजिक अध्ययन संस्थान, पटना में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के इस दूसरे बैच में कुल 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें राजस्व सेवा के 22 और ग्रामीण विकास सेवा के तीन अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किये। इसके पूर्व आयोजित प्रशिक्षण में अंचल अधिकारी 22 और प्रखंड विकास पदाधिकारी 03 ने प्रशिक्षण प्राप्त किया था। इस प्रकार दो बैचों में कुल 49 अचालाधिकारी और 04 प्रखंड विकास पदाधिकारी (कुल 48) ने प्रशिक्षण प्राप्त किये।

(k) Bihar State Disaster Resource Network की Review मीटिंग

28 जुलाई 2021 को शिवहर जिले के आपदा प्रबंधन प्रभारी शंभु कुमार कि अध्यक्षता में SDRN की Review मिटिंग हुई। बैठक में DM Consultant के साथ सभी लाइन डिपार्टमेंट के प्रतिनिधि, CO व BDO शामिल हुए। बैठक में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की Technical Tem द्वारा PPT के माध्यम से BSDRN Portal के Concept एवं पोर्टल पर डेटा अपलोड करने की जानकारी दी गयी।

BSDRN पोर्टल पर जून 2021 तक 29106 प्रकार के मानव बल समेत अन्य उपकरण से संबंधित आंकड़े उपलब्ध हुए। यह इस प्रकार हैः–

खोज एवं बचाव उपकरण :– 4537
कुशल जनशक्ति :– 9108
परिवहन :– 1708
खाद्य और जल जलस्त्रोत :– 4416
सुरक्षा और आश्रयः– 5614
आपातकालीन आपूर्ति और सेवाएं :– 3723
कुल संख्या :– 29106

इसके अतिरिक्त जून 2021 में प्रशिक्षित 3759 राजमिस्त्रियों को ऑनलाइन रिफ्रेशर प्रशिक्षण के लिए Mass Messaging के माध्यम से सूचना दी गयी।

यह इस प्रकार हैः– कटिहार (507), मुंगेर (316), भागलपुर (523), बांका (365), लखीसराय (249), शेखपुरा (224), जमुइ (335), गया (687), नवादा (433)।

(L) Mass Messaging

बिहार एक बहु–आपदा प्रवण राज्य है, जहां सभी तरह की प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाएं घटित होती रहती हैं। यह राज्य जहां एक ओर लगभग हर वर्ष बाढ़ का प्रकोप झेलता है, वहीं दूसरी ओर सुखाड़, अग्निकांड, शीतलहर लू, वज्रपात इत्यादि आपदाओं से भी राज्य का एक बड़ा भू–भाग प्रभावित रहता है। भूकंप की दृष्टि से भी बिहार अत्यन्त संवेदनशील है। प्राकृतिक आपदाओं को हम पूरी तरह रोक तो नहीं सकते, परंतु बेहतर आपदा प्रबंधन एवं इसके सुदृढ़ीकरण से नुकसान को कम कर सकते हैं। इसके लिए आमलोगों को आपदा की खतरा से अवगत कराना जरूरी है। इसलिए आपदाओं में 'क्या करें क्या न करें की जानकारी एसएमएस के माध्यम से लोगों दी जाती है।

प्राधिकरण में उपलब्ध विभिन्न मोबाइल नंबर जैसे जिला पदाधिकारी DM (38), ADM (38), BDO (534), CO (534), साथ ही साथ प्रशिक्षित फोकल टीचर (1542), नाव एवं नाव मालिक (3820), पंचायत जन प्रतिनिधि (**चयनित–207429**, गैर चयनित–**435699**), जीविका दीदी– (**148890**), आशा कार्यकर्ता (**77542**), आगनबाड़ी सेविका (**45946**) एवं प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित अभियंता एवं राजमिस्त्रियों में उपस्थित अन्य **लगभग 36 लाख नंबर** पर विभिन्न आपदाओं के बारे में समय–समय पर नियमित मास मैसेजिंग (सामूहिक संदेश संप्रेषण) किये जाते हैं।

मास मैसेजिंग आपदा प्रबंधन के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण यूनिट बन गया है। जिसका उपयोग न केवल Early Warning तक सीमित है, बल्कि आपदा प्रबंधन के विभिन्न आयामों जैसे Disaster Preparedness, Mitigation पर जागरूकता एवं बचाव हेतु भी जानकारी भेजी जाती है। इस तकनीक की मदद से कम समय में अधिकतम लोगों को Text Message के रूप में क्या करें, क्या न करें की जानकारी दी जा रही है। माह जून में **13105859** कुल इतना मास मैसेजिंग किया गया।

- **आसमान मे बिजली के चमकने/गरजने/कड़कने के समय**
- **नदियों–तालाबों में डूबने से बचने के उपाय**
- **नाव दुर्घटना से बचने के उपाय**
- **बाढ़ से बचने के उपाय**

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

जनहित में जारी

आसमान मे बिजली के चमकने/गरजने/कड़कने के समय

यदि आप खुले में हों तो शीघ्रताशीघ्र किसी पक्के मकान में शरण लें। एवं मोबाईल का उपयोग न करें।

जहां हैं वहीं रहें, हो सके तो पैरों के नीचे सुखी चीजें जैसे– लकड़ी, प्लास्टिक, बोरा या सूखे पत्ते रख लें।

उँचे पेड़ के नीचे एवं समूह में न खड़े हों।

बिजली के सुचालक वस्तुओं से दूर रहें।

समूह में खड़े न हों।

रेडियो और टी0वी0 पर मौसम के साफ होने का संदेश प्रसारित होने का इंतजार करें।

नदियों–तालाबों में डूबने से बचने के उपाय

अपनी और अपने बच्चों की बचाएं जान।

नदियों–तालाबों में न धोएं बर्तन–कपड़े एवं न करें स्नान।

डूबते हुए की तरफ रस्सी, धोती, साड़ी या बांस फेंके।

डूबे हुए व्यक्ति को तुरंत ऑक्सीजन उपलब्ध करवाएं।

ऑक्सीजन न मिले तो मुंह से स्वांस दें।

पेट में भर गया हो पानी तो पेट के बल लिटाकर दवाब दें जिससे पानी निकल जाए, फिर जल्दी अस्पताल ले जाएँ ।

नाव दुर्घटना से बचने के उपाय

जिस नाव पर पंजीकरण संख्या अंकित हो उसी नाव से यात्रा करें।

जिस नाव पर लदान क्षमता दर्शाते हुए सफेद पट्टी का निशान लगा हो उसी नाव से यात्रा करें।

किसी भी स्थिति में ओवर लोडेड नाव पर न बैठें।

छोटे बच्चों को अकेले नाव की यात्रा न करने दें।

जिस नाव पर जीवन रक्षा के लिए लाईफ जैकेट, लाईफबॉय, के साथ प्राथमिक बॉक्स एवं रस्से आदि ठीक तरीके से रखे हों, उसी नाव से यात्रा करें।

बाढ़ से बचने के उपाय

आपतकालीन किट हमेशा अपने पास रखें, जिसमें एक छोटी रेडियो, टॉर्च, बैट्री, मजबूत रस्सी, माचिस, मोमबत्ती,पानी,सूखा भोजन,खाद्य सामग्री आदि साथ हों।

घर के सभी सदस्यों को नजदीकी सुरक्षित आश्रय का पता हो।

बच्चों को बाढ़ के पानी में खेलने से रोके।

सांपों एवं अन्य जहरीले जन्तुओं से बचकर रहें।

चेतावनी व सुझाव के लिए रेडियो सुनें या टी वी देखें।

अफवाह पर ध्यान न दें और न ही घबराएं ।